



वाद रवारीक भिमा पावें। एतने वकील वाकी को  
 सुरा और कहरा पर मनू किता तथा पत्रावली  
 केषमोहन की गई। इन्कि वाद अपना वाड-कच  
 इतो यमाना क्वी याहना है, अर्थात् दायादादा  
 दोना उल्लेखित भिमा व इत प्रकार वाद हेतु, क  
 सदाप्र हो गता है। ठेकी हूत में एकणा को  
 गील्लाणा कि॥ याना इच्छित उतीत होला है।  
 गिबिया वादी की ओर ले चलत प्रार्थना जब  
 र-कीकार की जाकर एकणा आज पेंकी तारीख  
 पर लीया प्याकर वादी का वाद इसी स्थान  
 पर रवारीक भिमा पावत है।

पत्रावली प्रेषण सुपाट होकर दाररिल  
 कियत हो।

१२/०१/१७  
 सहायक कलक्टर  
 (S.D.O.) बालोतरा

सहायक कलक्टर  
 (S.D.O.)